आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 31 | जयपुर, शुक्रवार 14 अगस्त, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

पोरवाल महिला शक्ति... पेज 2

नांदेड़ गुरुद्वारे में... पेज 3

अजमेर-सीकर समेत 20 जिलों में महिला जिला प्रमुख होंगी

जयपुर-जोधपुर में पद अनारक्षित, लॉटरी में महिला आरक्षण फॉर्मूले पर हुआ था विवाद

जयपुर। जयपुर में गुरुवार दोपहर 41 जिला प्रमुखों की आरक्षण लॉटरी निकाली गई। सीकर समेत 20 जिलों में महिला जिला प्रमुख होंगी। जयपुर-जोधपुर में जिला प्रमुख का पद अनारक्षित रहा। ऐसे में यहां किसी भी वर्ग से जिला प्रमुख बन सकता है। बीकानेर संभाग के सभी जिलों में महिला जिला प्रमुख होंगी। जेएलएन मार्ग स्थित पंचायती राज संस्थान में निकाली गई लॉटरी में विवाद भी हो गया था। विवाद के बाद 25 मिनट तक लॉटरी रुकी रही। हर संभाग से एक महिला के जिला प्रमुख बनाने के नियम को लेकर विवाद हुआ। हंगामे के बाद अधिकारी एक्ट की किताब को खंगालने में लगे। हंगामा कर रहे लोगों को नियमों की जानकारी देने के बाद वे संतुष्ट हुए, इसके बाद प्रक्रिया फिर शुरू हुई।

SC वर्ग के 13 निकाय, 4 महिलाओं के लिए

जयपुर संभाग में एससी वर्ग के लिए कुल 13 निकाय आरक्षित किए गए हैं। इनमें कठूमर, जमवारामगढ़, दुहना, बस्सी, अलवर का रामगढ़, मानण्न, भांडारेज, मनोहरपुर, कानोता, सिकराय, बड़ौदामेव, बुहाना और धोग शामिल हैं। इनमें बस्सी, बड़ौदामेव, कठूमर और भांडारेज स्ट महिला के लिए आरक्षित रहेंगे।

ST वर्ग में 6 निकाय, 2 महिला आरक्षित

एसटी वर्ग के लिए कुल 6 निकाय आरक्षित हैं। इनमें मंडावर, मालाखेड़ा, लवाण, वाटिका, रामगढ़ पचवारा और मंडावरी शामिल हैं। इनमें वाटिका और लवाण स्त्र महिला के लिए आरक्षित किए गए हैं।

OBC वर्ग में 19 निकाय, 6 महिलाओं के लिए

OBC वर्ग के लिए संभाग में 19 निकाय आरक्षित हैं। इनमें अजीतगढ़, विराटनगर,

विद्याविहार, मनसीसर, नीमराणा, बहादुरपुर, बांदीकुई, नौगांव, भिवाड़ी, श्रीमाधोपुर, खेतड़ी, राजगढ़, चिड़ावा, दौसा, खाटूश्यामजी, पलसाना, दातारामगढ़, मुंडावर और डूंडलोद शामिल हैं। इनमें बांदीकुई, नीमराणा, नौगांव, दौसा, खेतड़ी और खाटूश्यामजी **OBC** महिला के लिए आरक्षित होंगे।

सामान्य वर्ग में 53 निकाय, 18 महिला आरक्षित

जयपुर संभाग में सबसे ज्यादा 53 निकाय अनारक्षित के लिए आरक्षित किए गए हैं। इनमें से 18 निकाय अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित रहेंगे। महिला आरक्षण वाले निकायों में अलवर नगर निगम, नारायणपुर, सिंघाना, कोटकासिम, सीकर, सुल्ताना, बगरू, नवलगढ़, बिसाऊ, थानागाजी, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल, मंड्रेला, बड़ौद, लक्ष्मणगढ़ (अलवर), खेजरोली, पावटा और गोविंदगढ़ शामिल हैं।

जयपुर में 6 साल बाद सामान्य मेयर

जयपुर नगर निगम का मेयर पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित होने के बाद अब राजनीतिक दलों के भीतर दावेदारों को लेकर चर्चा तेज होगी। लंबे समय से मेयर पद के आरक्षण को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे थे। सामान्य वर्ग के लिए सीट रहने से अब कई संभावित दावेदारों की राजनीतिक सक्रियता बढ़ सकती है। जयपुर शहर में पार्षद चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भी अब मेयर पद के आरक्षण को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति तैयार करेंगे। खास तौर पर सामान्य वर्ग के नेताओं के बीच टिकट और मेयर पद की संभावित दावेदारी को लेकर मुकाबला देखने को मिल सकता है।

राजस्थान में 600-डॉक्टर्स की भर्ती के 14 सितंबर से आवेदन

एग्जाम से पहले RMC में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य; जानें कब तक भर सकेंगे फॉर्म

जयपुर। राजस्थान में मेडिकल हेल्थ सेक्टर में डॉक्टर्स के पदों पर भर्ती के लिए अगले महीने आवेदन भरे जाएंगे। ये भर्ती राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज यूनिवर्सिटी के जरिए होगी। इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के लिए राजस्थान मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट की प्रिंसिपल सेक्रेट्री गायत्री राठौड़ ने बताया- भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 14 सितंबर से भरने शुरू होंगे और आवेदन की आखिरी तारीख 13 अक्टूबर होगी। ये भर्ती 600 मेडिकल ऑफिसर पदों के लिए होगी। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी के पास MBBS की डिग्री होना जरूरी है।

रिटन एग्जाम से होगी भर्ती

गायत्री राठौड़ ने बताया- यह भर्ती रिटन (लिखित) एग्जाम के जरिए होगी। एग्जाम की तारीख तक अभ्यर्थी का RMC में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। अगर रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो वह भर्ती के लिए योग्य नहीं होगा। उन्होंने बताया- इससे पहले भी RUHS के जरिए प्रदेश में 1699 पदों पर मेडिकल ऑफिसरों की भर्ती करवाई जा चुकी है।

दौसा सहायक-कलेक्टर पिंकी मीणा तीसरे दिन ही एपीओ

घूसकांड में साढ़े पांच साल सस्पेंड रहने के बाद जून में हुई थीं बहाल

जयपुर। राजस्थान सरकार ने चर्चित RAS अफसर पिंकी मीणा को एपीओ कर दिया है। कार्मिक विभाग ने गुरुवार को जारी आदेश में उन्हें प्रशासनिक कारणों से एपीओ करने का दावा किया है। पिंकी मीणा का 11 अगस्त को प्रशासनिक सुधार विभाग, सवाई माधोपुर के सहायक निदेशक के पद से सहायक कलेक्टर दौसा के पद पर तबादला किया गया था। पिंकी मीणा 2017 बैच की आरएएस अफसर हैं। साल 2021 में बांदीकुई SDO रहते हुए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे हाईवे घूसकांड में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने उन्हें एक अन्य आरएएस पुष्कर मित्तल के साथ गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के बाद सरकार ने उन्हें तुरंत सस्पेंड कर दिया था। पिंकी मीणा 15 जनवरी 2021 से लेकर 25 मई 2026 तक करीब साढ़े पांच साल सस्पेंड रहीं। बहाली के बाद 26 जून को उन्हें प्रशासनिक सुधार विभाग में सवाई माधोपुर के सहायक निदेशक के पद पर पोस्टिंग दी गई थी। इसके बाद 11 अगस्त को उनका तबादला सहायक कलेक्टर, दौसा के पद पर कर दिया गया था। दौसा में सहायक कलेक्टर के पद पर पोस्टिंग के महज तीन दिन बाद ही एपीओ करने को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। पहले उन्हें दौसा (जहां घूसकांड हुआ था) में ही पोस्टिंग देने को लेकर सवाल उठ रहे थे और अब अचानक एपीओ किए जाने के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लॉन्च किए कई डिजिटल प्रोजेक्टःसीएम बोले- जीरो से शुरुआत करने वाला ही हीरो बनता है; युवाओं-स्टार्टअप्स उद्यमियों से की बात

जयपुर। जयपुर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- राजस्थान के लोग सेविंग और म्यूचुअल फंड में काफी रुचि लेते हैं। इसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, जो लोगों को निवेश के प्रति जागरूक करने में मदद करते हैं। जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को राजस्थान युवा कॉन्क्लेव-2026 के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह कहा। इस दौरान निर्मला सीतारमण ने राज्य सरकार और आईटी विभाग की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शुभारंभ किया। उन्होंने राजस्थान स्टार्टअप क्रेस्ट 2026 की शुरुआत की और युवाओं के साथ संवाद करते हुए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने युवाओं और स्टार्टअप शुरू करने वाले उद्यमियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप फाउंडर्स से सवाल-जवाब किए और उनके अनुभव जाने। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- हर काम को हम बाजार में जाकर समझते और सीखते हैं। हमें यह देखना होगा कि अपने काम की शुरुआत कहां से करनी है। जो व्यक्ति जीरो से शुरुआत करता है, वही आगे चलकर हीरो बनता है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा मौजूद रहे।

कई डिजिटल और साइंस प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिमोट दबाकर राजस्थान स्टार्टअप क्रेस्ट 2026 का शुभारंभ किया। इसके साथ ही सिंगल हॉलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल, डिजिटल प्लैनेटेरियम उप क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र जोधपुर, 7-डी थिएटर विज्ञान केंद्र जयपुर और न्यूक्लियर पावर गैलरी विज्ञान केंद्र जयपुर का भी उद्घाटन किया गया।

निर्मला सीतारमण बोलीं- राजस्थान की परंपराओं की कोई सीमा पार हो तो माफ करें

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- कार्यक्रम में युवाओं के साथ जिस तरह का इंटरेक्शन रखा गया है, वह काफी रोचक है। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिस तरीके से युवाओं से बातचीत कर रहे थे, शायद मैं उस तरह नहीं कर पाऊं, लेकिन मुझे इंटरेक्शन करना पसंद है और मैं इसे अपने तरीके से करूंगी। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- अगर बातचीत के दौरान मुझसे राजस्थान की परंपराओं या नियमों के अनुसार कोई सीमा पार हो जाए तो सभी बड़े लोग मुझे माफ करें।

जयपुर में निकाली तिरंगा यात्रा, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण-दीयाकुमारी पहुंचीं: युवाओं ने हाथों में तिरंगे लहराते हुए भारत माता के लगाए जयकारे

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत गुरुवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली गई। सन एंड मून से मुरलीपुरा सर्किल तक आयोजित इस यात्रा में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हाथ में तिरंगा थामकर सहभागिता की। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, भाजपा कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। हाथों में लहराते तिरंगे और 'भारत माता की जय' के जयघोष से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा- तिरंगा केवल देश का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, वीर जवानों के बलिदान और करोड़ों भारतीयों के सपनों का प्रतीक है। उन्होंने आमजन से स्वतंत्रता दिवस पर घरों पर तिरंगा फहराने और 'हर घर तिरंगा' अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

भारत माता के जयकारे लगाए

तिरंगा यात्रा के दौरान पूरे रास्ते पर देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। युवा और महिलाएं हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए और भारत माता के जयकारों के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भी पूरे उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर के जवाहर नगर पहुंचकर आयोजित तिरंगा यात्रा में भी सहभागिता की। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अमित गोयल, तिरंगा यात्रा के संयोजक और सह-संयोजक, मंडल अध्यक्ष, पार्षद, पार्षद प्रत्याशी, वार्ड अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान कैबिनेट का फैसलाः विधानसभा के आगामी सत्र में लाए जाएंगे द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल और द राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षों की अवैध कटाई को रोकने के लिए द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026, विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, भरण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप से जुडे कानूनों को व्यवस्थित रूप देने के लिए राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल-2026 के प्रारूपों का अनुमोदन, ग्रामीण क्षेत्र में जलापूर्ति ढांचे को मजबूत बनाने के लिए संचालन एवं संधारण नीति लाने सहित सैनिक कल्याण एवं कार्मिक कल्याण से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। प्रेसवार्ता में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल और उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी दी। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में 'द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026' आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट द्वारा इस महत्वपूर्ण विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। इस विधेयक के अंतर्गत राज्य वृक्ष खेजडी, राज्य पुष्प रोहिडा, बरगद, पीपल, लसोडा, तेंदू, महुआ, कैर और चिरोंजी सहित कुल 29 महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण को विशेष बढ़ावा मिलेगा।

गैर वन भूमि में वृक्षों की अवैध कटाई पर एक वर्ष की जेल और एक लाख जुर्माना–

उन्होंने बताया कि ग्रामीण एवं आदिवासी जनजीवन में इन वृक्षों के विशेष महत्व को देखते हुए विधेयक में गैर वन भूमि में खडे वृक्षों की कटाई को नियंत्रित करने तथा जवाबदेही निर्धारित करने हेतु ऐसे अपराधों को संज्ञेय एवं जमानती बनाया गया है। दोष सिद्ध पाये जाने पर एक वर्ष का कारावास या एक लाख रुपये जुर्माने अथवा दोनों का प्रावधान किया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी स्वामित्व वाली या कब्जे वाली भूमि पर खडे किसी भी वृक्ष को अधिकृत प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना नहीं काटेगा और न ही काटने का कारण बनेगा। यदि कोई व्यक्ति अधिकृत प्राधिकारी की अनुमति से किसी वृक्ष को काटता अथवा हटाता है तो प्रत्येक वृक्ष के स्थान पर उसी क्षेत्र में निर्धारित संख्या में वृक्षों का रोपण होगा। इन वृक्षों के प्रभावी संरक्षण से आदिवासी एवं मरुस्थलीय अंचल के निवासियों की आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा।

पचलंगी के पूर्व सरपंच कमला भावरिया के निधन के बाद श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों का लगा तांता

16 अगस्त को होगा हरि कीर्तन व 17 को होगा सीसी पूजन का कार्यक्रम, समाज सेवा के कामों में हमेशा अग्रणीय रहती थी स्वर्गीय कमला भावरिया...... दौलत राम गोयल

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी के झड़ाया नगर में पिछले दिनों पचलंगी की पूर्व सरपंच कमला भावरिया का आकस्मिक निधन के बाद उनके आवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों का तांता लगा हुआ है द्य मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि 16 अगस्त को उनके आवास पर हरि कीर्तन का आयोजन होगा अगले दिन 17 अगस्त को सीसी पूजन का कार्यक्रम होगा द्य गुरुवार को उनके आवास पर स्वर्गीय कमला भावरिया की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में नीमकाथाना के समाजसेवी दौलत राम गोयल, जगदीश जाखड़, डॉ हरिसिंह गोदारा सिगनोर, राजकुमार सैनी, डॉ दयानंद रणवा चुरु, बनवारी लाल सेवदा असम, महेंद्र तेतरवाल, डॉ रामकुमार सिराधना, हरिनारायण जांगिड़, सागरमल चौथमल जांगिड़, डॉ नरोत्तम शास्त्री , सरवन नरनोलिया, सत्यनारायण अग्रवाल, लोकेश राठी, पत्रकार सुमेर सिंह राव सहित सैकड़ो की संख्या में कई गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोगों ने स्वर्गीय कमला भावरिया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर सच्ची श्रद्धांजलि दी।

झालावाड शहर की आमजन से जुड़ी बदहाल व्यवस्था को लेकर विरोध प्रदर्शन कर दिया नगरपरिषद् आयुक्त को ज्ञापन

झालावाड। राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रहे शहरी फ्लोअप शिविर झालावाड नगरपरिषद् में पूर्व पार्षद राहुल गोयल एवं एस.सी. प्रकोष्ट के जिला अध्यक्ष हेमन्त बैरवा एडवोकेट की अगुवाई में आमजन व कांग्रेसजनों ने झालावाड शहर में हो रही आमजन से जुडी बदहाल व्यवस्था को लेकर नगरपरिषद् आयुक्त को विरोध जताते हुए तथा नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा गया।

पोरवाल महिला शक्ति मंच का शपथ ग्रहण समारोह भव्य रूप से संपन्न

कोटा। पोरवाल महिला शक्ति मंच का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार को पोरवाल भवन, बल्लभ बाड़ी, कोटा में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में भव्य रूप से संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अमिता बिरला जी रहीं। उन्होंने पोरवाल महिला शक्ति मंच की नवीन कार्यकारिणी एवं सदस्यों को समाजसेवा, संस्कार, सहयोग एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित होकर कार्य करने की शपथ दिलाई। समारोह में मंच की संयोजिका श्रीमती मंगला गुप्ता, सचिव श्रीमती रेनू गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती ज्योति गुप्ता सह संयोजिका श्रीमती मंजू लता गुप्ता,श्रीमती सुमित्रा जैन,श्रीमती मंजू गुप्ता सह सचिव श्रीमती अभिलाषा गुप्ता,श्रीमती रजनी गुप्ता, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती साधना गुप्ता,श्रीमती टीना गुप्ता प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती रजनी जैन सहित अन्य 40 महिला सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर पोरवाल युवक संघ के अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पोरवाल महिला शक्ति मंच के गठन से समाज की मातृशक्ति को एक सशक्त मंच मिलेगा तथा महिलाएं सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों में और

अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकेंगी। उन्होंने मंच की नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए पोरवाल युवक संघ की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। संयोजिका श्रीमती मंगला गुप्ता ने कहा कि पोरवाल महिला शक्ति मंच समाज के उत्थान एवं विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेगा। मंच महिलाओं को संगठित कर उनके आत्मविश्वास एवं प्रतिभा को आगे बढ़ाने, जरूरतमंदों की सहायता करने, शिक्षा एवं संस्कार को बढ़ावा देने तथा समाजहित के विभिन्न सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि श्रीमती अमिता बिरला जी ने नवीन कार्यकारिणी एवं सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं का संगठित होकर समाजहित में कार्य करना समाज की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने मंच द्वारा किए जाने वाले रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की। समारोह में लगभग 200 समाजबंधु एवं महिला शक्ति मंच की सदस्यगण उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आपसी एकता, सामाजिक समरसता एवं महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।सभा के समापन पर सह संयोजिका मंजू गुप्ता द्वारा सभी का आभार प्रकट किया समारोह का समापन समाजहित में निरंतर सेवा एवं सहयोग करने के संकल्प के साथ हुआ।

मा. आ. जी. राजकीय महाविद्यालय, डीग में 10-दिवसीय 'एआई प्राईम - डिजिटल प्रोडक्टिविटी प्रोग्राम' के ऑनलाइन कोर्स का सफल शुभारंभ

दीपचंद शर्मा डीग । मा. आ. जी. राजकीय महाविद्यालय, डीग के प्लेसमेंट सेल द्वारा एनआईआईटी फाउंडेशन एवं इन्फोसिस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10-दिवसीय नि:शुल्क कौशल विकास पाठ्यक्रम एआई प्राईम - डिजिटल प्रोडक्टिविटी प्रोग्राम के ऑनलाइन नियमित कोर्स का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कक्षा के प्रथम दिन आयोजित विशेष ओरिएंटेशन सत्र के दौरान विद्यार्थियों को आगामी 09 दिनों में आयोजित होने वाली कक्षाओं की रूपरेखा, प्रशिक्षण मॉड्यूल और कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिलीप सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई आधारित यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को

आधुनिक कार्यबल की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करेगा। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से प्रत्येक सत्र में नियमित रूप से उपस्थित रहकर इस तकनीकी ज्ञान का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया। विषय विशेषज्ञ ऋषभ आनंद ने कोर्स के प्रमुख मॉड्यूल्स जैसे- एआई ऑटोमेशन टूल्स के व्यावहारिक उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन मॉड्यूल्स को पूरा करने से विद्यार्थियों की डिजिटल उत्पादकता में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, कोर्स पूरा करने के लिए आवश्यक उपस्थिति, प्रैक्टिकल असाइनमेंट्स और अंतिम मूल्यांकन के मानदंडों के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। प्लेसमेंट सेल समन्वयक डॉ. चन्द्र प्रभा महावर ने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा तथा प्लेसमेंट सेल के माध्यम से उन्हें रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल सदस्य लक्ष्मी नारायण मीना एवं लक्ष्मी यादव जी सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. ईशा शर्मा, श्वेता, राजाराम, डॉ. महेश चंद महावर, संदीप रैगर, डॉ. अखिल भारद्वाज, विनय कुमार बैरवा, रोनित यादव, स्वीटी आशवानी एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे, तथा बड़ी संख्या में पंजीकृत विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्लेसमेंट सेल सदस्य ओमवीर सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

सनातन धर्म के सिद्धांतों और विचारों से ही बनेगा भारत विश्वगुरु – जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज

लंदन के 'सिद्धाश्रम' में स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य आयोजन, 25 उच्च कोटि के संतों का जुटान, भारत और विश्व को जोड़ने का हुआ महासंकल्प

दीपचंद शर्मा मथुरा। लंदन, सात समुद्र पार लंदन की पावन भूमि पर सनातन धर्म के वैश्विक विस्तार की एक नई इबारत लिखी गई। यहां स्थित सिद्धाश्रम के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर अत्यंत भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें देश-विदेश से पधारे 25 उच्च कोटि के संतों-महात्माओं ने सहभागिता की। मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुए भूमि पूजन के साथ यह स्थल आने वाले समय में विदेशी धरती पर सनातन संस्कृति के गौरवशाली प्रतीक के रूप में स्थापित होगा और भारतीय संस्कृति की ध्वजा पूरे यूरोप में फहराएगा। इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने

अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि जब आज सम्पूर्ण विश्व के समक्ष अंधकार और भ्रम की स्थिति व्याप्त है, ऐसे समय में हिन्दू सनातन धर्म ही मानवता को सच्ची और सही दिशा दिखा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत भूमि से निकला यह सनातन ज्ञान आज पुन: पूरे विश्व को एक सूत्र में पिरोने का माध्यम बन रहा है, और लंदन जैसी धरती पर इसकी स्थापना यह सिद्ध करती है कि वसुधैव कुटुम्बकम का भाव केवल भारत की सीमाओं में सीमित नहीं, अपितु सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि इसीलिए आवश्यकता है कि सबको साथ लेकर चलने की क्षमता रखने वाले संतों और संगठनों को आगे आना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामी राजराजेश्वरानंद गुरुजी महाराज ने हिन्दू सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु जो अथक और तपस्यापूर्ण कार्य किया है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम है। कार्यक्रम में पण्डोखर सरकार ने भी अपने विचार रखते हुए सनातन एकता पर बल दिया और कहा कि भारत और प्रवासी भारतीय समाज के बीच की यह आध्यात्मिक कड़ी ही आने वाले समय में विश्व शांति का आधार बनेगी। वहीं श्री महंत नारायण गिरी जी महाराज तथा श्री त्रिलोचनदास जी महाराज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उपस्थित सभी संतों ने एक-दूसरे से मिलकर सनातन धर्म एवं हिन्दुत्व की विचारधारा को विश्वभर में प्रचारित करने का संकल्प लिया तथा भविष्य में भी निरंतर लंदन आते रहने का वचन दिया। कार्यक्रम के कर्ता-धर्ता एवं संत संसद के आयोजनकर्ता, नेटवर्क 10 के मुख्य संपादक आदरणीय संजय गिरी जी ने कहा कि संत संसद का सम्पूर्ण विश्व को जोड़ने का जो विचार है, वह निरंतर आगे बढ़ता रहेगा और इसे पूरे विश्व में प्रचारित-प्रसारित किया जाएगा ।उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत और प्रवासी भारतीय समाज की श्रद्धा जब एक मंच पर आती है, तो वह न केवल हिन्दुस्तान अपितु सम्पूर्ण विश्व को एक नई दिशा प्रदान करती है । गर्जना भरे स्वर में जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनने से अब कोई शक्ति नहीं रोक सकती, क्योंकि भारत सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानने के महान सिद्धांत को लेकर चलता आया है। उन्होंने विश्वभर में बसे भारतवंशियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी रहें, अपनी जड़ों और संस्कारों से जुड़े रहें, क्योंकि यही सनातन परंपरा भारत और विश्व के बीच अटूट सेतु का कार्य करेगी। कार्यक्रम के दौरान सभी संतों एवं श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन में भाग लिया, जिसमें पण्डोखर सरकार सभी पूज्य संतों के साथ हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कीं। इसके पश्चात वैदिक मंत्रों द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तथा सभी उपस्थितजनों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। समापन पर सिद्धाश्रम परिसर धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। इस पावन अवसर पर जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज एवं श्री महंत नारायण गिरी जी महाराज (जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता) एवं स्वामी राजराजेश्वरानंद गुरुजी महाराज के साथ महामंडलेश्वर महंत यतींद्रानंद गिरी जी, महामंडलेश्वर उमाकांतानंद जी, श्री महंत स्वामी रिशेश्वरानंद जी, पद्मश्री गोवा स्वामी जी एवं माताजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निरंजन स्वामी जी ने किया, संत त्रिलोकदास महाराज जी ने हनुमान चालीसा का पाठ कराया तथा महामंडलेश्वर स्वामी भूपेंद्र गिरी जी एवं अजय बाबा ने अपने विचार रखे। इनके अतिरिक्त अनेक पूज्य संत-महात्मा एवं गणमान्य जन इस भव्य आयोजन में उपस्थित रहे। समूचे कार्यक्रम के सुव्यवस्थित संयोजन में नेटवर्क 10 के मुख्य संपादक आदरणीय संजय गिरी जी का विशेष एवं अविस्मरणीय योगदान रहा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजनकर्ता सिद्धाश्रम के प्रमुख श्री राजराजेश्वर गुरुजी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी संतों को यहां सदैव स्वागत एवं सम्मान प्राप्त होगा। उन्होंने पूरे विश्व में सनातन धर्म की पताका लहराने और भारत को उसकी सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप विश्वगुरु के पद पर पुनर्स्थापित करने का उद्घोष किया। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु उपस्थित हुए और विशाल स्वादिष्ट भंडारे का आयोजन भी हुआ, जिसमें सभी पूज्य संतों का सम्मान विधि-विधानपूर्वक किया गया। अखिल भारत हिंदू महासभा के संत प्रकोष्ठ अध्यक्ष और उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश पंडित संजय हरियाणा ने बताया इस प्रकार लंदन की धरती पर आयोजित यह भव्य समारोह भारत और सम्पूर्ण विश्व को सनातन संस्कृति के सूत्र में जोड़ने वाला एक ऐतिहासिक अध्याय बनकर उभरा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को अपनी नीतियों का बनाया महत्वपूर्ण आधार :- मदन राठौड़

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए निर्भया कोष के माध्यम से राज्यों में सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं और सुविधाओं को किया जा रहा है मजबूत:- मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए निर्भया कोष के माध्यम से राज्यों में सुरक्षा संबंधी परियोजनाओं और सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। महिला सुरक्षा के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्भया कोष के तहत देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कुल 548.06 करोड़ की राशि जारी की गई, इसमें से राजस्थान को 31.75 करोड़ प्राप्त हुए। सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने सदन को यह जानकारी दी। सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार की ओर से मिशन

शक्ति के तहत वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण सहायता तंत्र के रूप में काम कर रहे हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य हिंसा से प्रभावित और संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देशभर में 137 वन स्टॉप सेंटर कार्यशील बनाए गए। इन केंद्रों पर महिलाओं को चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता एवं सलाह, अस्थायी आश्रय, पुलिस सहायता तथा मनो-सामाजिक परामर्श जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। यह व्यवस्था ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों सहित जरूरतमंद महिलाओं तक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। महिलाओं को किसी संकट की स्थिति में अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से विभिन्न सेवाओं को एकीकृत किया गया है। यह व्यवस्था पीडति महिलाओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि महिला सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महिला हेल्पलाइन-181 भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह हेल्पलाइन महिलाओं को आपातकालीन और गैर-आपातकालीन दोनों परिस्थितियों में 24 घंटे नि:शुल्क दूरसंचार सहायता उपलब्ध कराती है। हेल्पलाइन-181 के माध्यम से हिंसा से प्रभावित महिलाओं को सहायता देने के साथ-साथ उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार निर्भया कोष की राशि उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन और खर्च की निगरानी के लिए भी संस्थागत व्यवस्था बनाई गई है। जिन परियोजनाओं में आवर्ती व्यय की आवश्यकता होती है, उनमें उपयोग प्रमाण-पत्र और व्यय विवरण प्राप्त होने के बाद नियमानुसार धनराशि जारी की जाती है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को अपनी नीतियों का महत्वपूर्ण आधार बनाया है। निर्भया कोष, वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा हैं।

एमसीएचएन दिवस पर बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं की हुई एचआरपी स्क्रीनिंग

जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने की सत्रों की मॉनिटरिंग

जयपुर द्वितीय। प्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में सघन स्क्रीनिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान में गुरुवार को आयोजित मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण (एमसीएचएन) दिवस पर बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की स्क्रीनिंग की गई। सीएमएचओ, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी अभियान में जिले की प्रत्येक गर्भवती महिला का स्वास्थ्य परीक्षण कर संभावित जोखिमों की समय पर पहचान की जा रही है। अभियान के दौरान प्रत्येक गर्भवती महिला की प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) के साथ रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, वजन, रक्त शर्करा, मूत्र परीक्षण सहित अन्य आवश्यक जांचें की जा रही हैं। इन जांचों के आधार पर उच्च रक्तचाप, गंभीर एनीमिया, मधुमेह, कम या अधिक आयु में गर्भधारण, जुड़वां गर्भ, पूर्व प्रसव संबंधी जटिलताओं

सहित अन्य जोखिम कारकों की पहचान कर महिलाओं को हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) श्रेणी में चिन्हित किया जा रहा है। जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने भी विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों पर पहुंचकर अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग की। आरसीएचओ द्वितीय डॉ. प्रमिला मीणा ने बताया कि एचआरपी के रूप में चिन्हित गर्भवती महिलाओं की नियमित फॉलोअप, आवश्यक उपचार, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श तथा जरूरत पड़ने पर उच्च स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही उन्हें संतुलित एवं पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, खतरे के लक्षणों की पहचान, समय पर संस्थागत प्रसव, नवजात शिशु की देखभाल, जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान प्रारंभ करने, छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने, प्रसवोत्तर देखभाल एवं परिवार नियोजन संबंधी परामर्श भी दिया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला तक समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की शीघ्र पहचान कर जटिलताओं को रोकना तथा सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना है।

देशनोक पालिका अध्यक्ष पद सामान्य घोषित: कहीं खुशी, कहीं गम; भाजपा-कांग्रेस में दिखेगा दिलचस्प मुकाबला

देशनोक/लक्ष्मीनारायण शर्मा। देशनोक नगरपालिका अध्यक्ष सीट के आरक्षण को लेकर लंबे समय से चल रही सियासी उधेडबुन आखिरकार समाप्त हो गई। अध्यक्ष का पद सामान्य वर्ग (ओपन) के लिए आरक्षित होते ही चुनावी बिसात बिछ गई है। लॉटरी के परिणाम से जहाँ आरक्षित वर्ग के बूते पालिका प्रमुख बनने का सपना देख रहे कई नेताओं के खेमे में मायूसी छा गई, वहीं सामान्य वर्ग के दावेदारों में उत्साह की लहर दौड गई है। हालांकि, राहत और तनाव का यह दौर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। 17 अगस्त को होने वाली वार्डों की आरक्षण लॉटरी कई स्थानीय नेताओं और वार्ड ठेकेदारों का सियासी गणित बिगाड या बना सकती है। सामान्य सीट होने से कांग्रेस खेमे में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। **सपाट दावेदारी:** पार्टी के भीतर पूर्व चेयरमैन ओमप्रकाश मुंधडा के सामने फिलहाल कोई समकक्ष या मजबूत प्रतिद्वंद्वी नजर नहीं आ रहा है, जिससे कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर स्थिति लगभग स्पष्ट मानी जा रही है।

लोकसभा 1 मिनट-राज्यसभा 1 घंटे चली, संसद सत्र खत्म

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे; बंदर के खिलौने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन MMDR संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। इधर, विपक्षी सांसद संसद के बाहर बंदर का खिलोना लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है। इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

राज्यसभा में 114 घंटे में से 76 घंटे 34 मिनट काम नहीं हुआ

मानसून सत्र में राज्यसभा की बैठकें भी लोकसभा के बराबर रहीं और 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन राज्यसभा में लगभग 37 घंटे 24 मिनट काम हुआ। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कम कार्यवाही हुई।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है। राज्यसभा में पेश किए गए दोनों बिल भी लोकसभा से पास हो चुके हैं।

झारखंड छात्र आंदोलन- 500 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर

6 छात्र अब भी अनशन पर, बोले- दुर्भाग्य है मुख्यमंत्री हमारी बात नहीं सुन रहे

रांची। झारखंड छात्र आंदोलन गुरुवार को 20वें दिन भी जारी है। छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरने पर बैठे हैं। प्रदर्शनकारियों ने 10 अगस्त को विधानसभा घेराव किया था। इसके बाद 500 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। आंदोलन कर रहे छात्र राधे कुमार ने कहा, प्रदर्शन को 20 दिन हो गए हैं। दो दिन बाद 15 अगस्त है। हम भी स्वतंत्रता दिवस मनाना चाहते हैं। दुर्भाग्य है कि मुख्यमंत्री हमारी मांगें नहीं सुन रहे हैं। छात्रों की मांग है कि जब तक JSSC-CGL परीक्षा रद्द नहीं की जाती और मामले की CBI जांच नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्र अब अपनी मांगों को लेकर सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत करना चाहते हैं। छात्रों का आरोप है कि उनके नेता देवेंद्रनाथ महतो को सरकार ने हिरासत में ले लिया है। उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है और उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी नहीं मिल रही है। इस बीच, छात्रों ने 16 अगस्त को सीएम हाउस घेराव करने की बात कही थी, लेकिन बाद में इसका खंडन कर दिया। बुधवार की शाम झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता रघुवर दास छात्रों से मिलने धरनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, अगर एक हफ्ते के अंदर पूरे मामले की सीबीआई जांच का आदेश नहीं दिया गया, तो मैं भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर अनशन पर बैठूंगा। मैं यह विरोध तब तक जारी रखूंगा जब तक यह भरोसा नहीं दिलाया जाता कि झारखंड के छात्रों का भविष्य अब खतरे में नहीं पड़ेगा।

नांदेड गुरुद्वारे में सुखबीर बादल पर हमले की निंदा

मजीठिया बोले- सीबीआई जांच होनी चाहिए, वडिंग ने कहा- लोगों में देरी से मिले न्याय को लेकर गुस्सा

जालंधर। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुए हमले की पंजाब समेत देशभर में निंदा हो रही है। सभी इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। जबकि, सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ अकाल तख्त के जत्थेदार ने तो यह भी कह दिया कि हमलावर सच्चा सिख नहीं। अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि सीबीआई जांच होनी चाहिए कि इसके पीछे कौन सी ताकतें हैं। सुखबीर बादल पर गुरुघर में दूसरी बार अटैक हो गया है। दो बार जान से मारने की कोशिश की गई है। कुछ लोग पंजाब का माहौल फिर से खराब करना चाहते हैं। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग ने लिखा- सिख संगत में बहबल कलां, बरगाड़ी बेअदबी में पुलिस फायरिंग, बेअदबी के मामलों में देरी से मिले न्याय और कई अन्य अनसुलझे मुद्दों को लेकर वास्तविक गुस्सा है। इन मामलों को संभालने के अकाली दल के तरीके से भी गहरी निराशा है। लेकिन राजनीतिक गुस्सा हिंसा को सही नहीं ठहरा सकता। नांदेड़ साहिब में बादल पर हुआ हमला निंदनीय है। न्याय जवाबदेही और लोकतंत्र के माध्यम से आना चाहिए, हिंसा से नहीं। **अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज:** नांदेड़ स्थित गुरुद्वारा में सुखबीर सिंह बादल पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। गुरुद्वारा साहिब एक ऐसा स्थान है, जहां श्रद्धालु पूरे संसार की भलाई की अरदास करने आते हैं। एक सच्चा सिख कभी गुरु घर में माथा टेकने आए किसी व्यक्ति पर हमला नहीं कर सकता। इस प्रकार के कृत्य गुरुद्वारों की पावन मर्यादा को ठेस पहुंचाते हैं और पूरी सिख कौम की छवि को धूमिल करते हैं।

पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल: महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुद्वारा साहिब के भीतर सुखबीर सिंह बादल पर हुआ हमला बेहद चौंकाने वाला और चिंताजनक है। गुरुद्वारा साहिब शांति, प्रार्थना और संगी-संगत का पवित्र स्थल है, जहां हिंसा का कोई स्थान या औचित्य नहीं हो सकता। मैं सुखबीर की सुरक्षा और अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं और प्रशासन से मांग करता हूं कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। व्यक्तिगत तौर पर उन्हें इस स्थिति से गुजरते देखना दर्दनाक है। इस घड़ी में मैं उनके और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा हूं।

अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया: गुरु साहिब की कृपा से शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पूरी तरह सुरक्षित हैं। इससे पहले 4 दिसंबर को भी बादल पर हमला हुआ था। पंजाब पुलिस की निष्क्रियता और ढिलाई के कारण ही आज नांदेड़ के तख्त श्री हजूर साहब में यह दोबारा हमला हुआ। केंद्र सरकार से हमारी अपील है कि अकाली दल अध्यक्ष पर बार-बार हो रहे इन हमलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए और उनकी सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जाए।

कांग्रेस नेता व गुरदासपुर के सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा: गुरु की शरण में आए किसी भी व्यक्ति पर हमला बेहद निंदनीय और गलत है। सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। गुरु घर हमें शांति, सहनशीलता और सभी की भलाई का संदेश देता है, इसलिए ऐसे पवित्र स्थान पर हिंसा की कोई जगह नहीं है। वाहेगुरु से सुखबीर बादल के जल्द स्वस्थ होने और चढ़दी कला की अरदास करता हूं।

भाजपा नेता आरपी सिंह: लोकतंत्र में इस तरह की घटना किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है। राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया जा सकता।

जेल में प्रज्वल रेवन्ना के फोन से 90 पोर्न-वीडियो मिले

नई एफआईआर दर्ज; पूर्व प्रधानमंत्री का पोता रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहा

नई दिल्ली। बेंगलुरु की सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के मोबाइल में 90 पोर्न वीडियो मिले हैं। जब्त फोन की फोरेंसिक जांच जारी है। जांचकर्ता फोन में मौजूद वीडियो, तस्वीरों और अन्य डिजिटल डेटा की जांच कर रहे हैं। यह भी पता लगाया जा रहा है कि सामग्री कहां से आई और इसका आपराधिक मामले से कोई संबंध है या नहीं। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को जेल में छापेमारी की थी। रेवन्ना के पास फोन मिलने के बाद नई एफआईआर दर्ज की गई है। जेल में बंद अंडरट्रायल कैदी प्रताप राय को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। प्रज्वल जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना का बेटा और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता है। वह महिलाओं से रेप केस में अगस्त 2025 से उम्रकैद की सजा काट रहा है। प्रज्वल के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने अप्रैल 2024 में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने प्रज्वल पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। कोर्ट ने 18 जुलाई 2025 को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। प्रज्वल के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित कई धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। प्रज्वल को एक अगस्त 2025 को पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पेशल कोर्ट ने दोषी ठहराया था। उसे अगले दिन 2 अगस्त को उम्रकैद की सजा सुनाई गई और 11.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसमें से 11.25 लाख रुपए पीड़ित को देने का निर्देश दिया गया था। प्रज्वल के खिलाफ रेप के तीन और मामले चल रहे हैं। इन मामलों की सुनवाई अभी बाकी है।

केरलम में सावरकर से जुड़ा सवाल पूछने पर टीचर सस्पेंड

स्कूल के फ्रीडम क्विज में हुआ विवाद; हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- क्या ये गैर-कानूनी था

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने सावरकर पर गलत सवाल बनाने के आरोप में सस्पेंड एक टीचर की याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस विजू अब्राहम ने सरकार से पूछा कि टीचर ने कौन सा गैरकानूनी काम किया, जो उसे सस्पेंड कर दिया गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा- जब अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा चुकी है, तब सस्पेंशन जरूरी क्यों था। शिक्षक की कोई दूसरी मंशा रही हो सकती है, लेकिन क्या सिर्फ गलत सवाल रखने पर ऐसा किया जा सकता है। दरअसल, 6 अगस्त को कोच्चि में स्कूल लेवल के सोशल साइंस क्लब फ्रीडम क्विज 2026 रखा गया था। टीचर गुरु प्रसाद राय ने इसके लिए सवाल बनाए थे। हाईकोर्ट ने सरकार से वह खास वजह बताने का भी निर्देश दिया, जिसके आधार पर टीचर पर एक्शन हुआ। मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी। टीचर गुरु प्रसाद ने क्विज में सवाल रखा, ब्रिटिशर्स के हाथों सबसे ज्यादा सजा पाने वाले स्वतंत्रता सेनानी कौन हैं इसके जवाब में उन्होंने वीडी सावरकर का नाम लिखा था। सोशल साइंस क्लब फ्रीडम क्विज 2026 के सवालों की लिस्ट में शामिल था। यह क्विज कुंबला और मंजेश्वर के लोअर प्राइमरी, अपर प्राइमरी और हाईस्कूल सेक्शन के छात्रों के लिए था।

टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे; 1988 से ग्रुप से जुड़े हैं

नई दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे के ऐलान के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने आज 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है। नरेंद्रन 1988 से टाटा ग्रुप से जुड़े हुए हैं। उनका पूरा करियर टाटा स्टील में ही रहा है।

चेयरमैन चुनने के लिए फरवरी 2027 तक का समय

चंद्रशेखरन ने भले ही इस्तीफा दे दिया हो लेकिन वे फरवरी 2027 तक टाटा संस के चेयरमैन पद पर बने रहेंगे। यानी वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। इस वजह से टाटा संस के पास नया प्रमुख को चुनने और उनके स्मूथ ट्रांजैक्शन की योजना बनाने के लिए लगभग 6 महीने का वक्त है।

5 सदस्यीय कमेटी नए चेयरमैन का फैसला करेगी

टाटा संस के नियमों के मुताबिक चेयरमैन के चयन के लिए 5 सदस्यों की एक खास कमेटी बनाई जाती है। नामों की स्क्रूटनी के बाद कमेटी उनका इंटरव्यू करती है। फिर टाटा संस बोर्ड को अंतिम नाम की सिफारिश की जाती है।

नरेंद्रन की जिंदगी की 3 रोचक बातें

1. 40 की उम्र में सीखा ड्रम: टी.वी. नरेंद्रन ने 2024 में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि 40 साल की उम्र में उन्हें लगा कि जिंदगी में एक चीज सीखना रह गई है, जो था ड्रम बजाना। उस समय वे सिंगापुर में काम कर रहे थे। उन्होंने वहीं ड्रम सीखने की क्लास जॉइन की और करीब तीन साल तक ड्रम सीखा।

2. दौड़ने वाले CEO के नाम से भी पहचान: नरेंद्रन की एक खास पहचान उनकी दौड़ने की आदत से भी जुड़ी है। वे सुबह जल्दी उठकर करीब 9 किमी दौड़ते हैं। उनके लिए दौड़ना सिर्फ फिट रहने का तरीका नहीं, बल्कि खुद के साथ समय बिताने और दिमाग को तरोताजा रखने का जरिया भी है। उन्हें अकेले दौड़ना पसंद है, क्योंकि इस दौरान उन्हें सोचने और अपने लिए समय मिलता है।

3. नाना कोचीन राज्य के पहले प्रधानमंत्री

नरेंद्रन का नाम चर्चा में आने की तीन वजह

मुश्किल दौर में शानदार परफॉर्मेंस: नरेंद्रन ने जब पद संभाला, तब टाटा स्टील भारी कर्ज, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और महंगे विदेशी अधिग्रहणों से जूझ रही थी। उन्होंने कर्ज कम करने, कैश फ्लो सुधारने और डोमेस्टिक पोजीशन मजबूत करने पर काम किया। यूके और नीदरलैंड्स में कठिन रीस्ट्रक्चरिंग फैसलों को भी संभाला। **टाटा कल्चर की गहरी समझ:** 2016 के सायरस मिस्त्री विवाद के बाद, टाटा ग्रुप अपनी पुरानी परंपराओं, मूल्यों और समूह के साथ जुड़ाव को बनाए रखने पर सबसे ज्यादा जोर दे रहा है। चंद्रशेखरन की तरह, नरेंद्रन भी लगभग 4 दशक से टाटा ग्रुप का हिस्सा रहे हैं और इसकी कार्यशैली और सिद्धांतों को गहराई से समझते हैं। **ऑपरेशन्स का अनुभव:** चेयरमैन पद केवल रोजमर्रा के काम संभालने का नहीं, बल्कि कैपिटल एलोकेटर और रणनीतिकार का होता है। ग्रुप ऐतिहासिक रूप से ऐसे लीडर्स को तरजीह देता है जो बड़े ऑपरेशन्स, लेबर इश्यूज, रेगुलेशन और लंबे इन्वेस्टमेंट साइकिल को समझते हों।

देश में लोगों को बोलने से रोका जा रहा: राहुल

हमारा काम आवाज बुलंद करना, सरकार को समझ आ गया कि लोग अब चुप नहीं रहेंगे

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार लोगों को अपनी बात रखने से रोक रही है। सरकार व्यवस्था लागू करना चाहती है, जबकि कांग्रेस का काम भारत को अपनी बात कहने का मौका देना है। दिल्ली में हो रहे कांग्रेस का 'रचनात्मक कांग्रेस प्रकोष्ठ' के अधिवेशन में राहुल ने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्र अपनी बात रखना चाहते थे। छात्र परेशान थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। सरकार को समझ आ गया है कि लोग अब चुप नहीं रहेंगे।

पहली बार अभिव्यक्ति का सामना करना पड़ रहा

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी कोशिशें सरकार को परेशान कर सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि क्रूमोदी रात में सो नहीं पाते।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कभी चाणक्य और सरदार पटेल जैसे नामों से जोड़ा जाता था, लेकिन अब वह संसद में प्रवेश तक नहीं कर पाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहली बार उन्हें भारत की आवाज और उसकी अभिव्यक्ति का सामना करना पड़ रहा है।

भारत में बहुत से लोग कायरों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। अगर आप ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ रहे हों और डर लगने की बात कहें तो समझ में आती है, लेकिन आज आप उन मसखरों और जोकरों से लड़ रहे हैं, जिन्हें हमारे दर्शन या इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है। यदि किसी दिन आरएसएस की अभिव्यक्ति को खत्म करने की बात होगी तो वह उसकी भी रक्षा करेंगे।

दो दिन के अधिवेशन में कई मुद्दों पर चर्चा

रचनात्मक कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 12 अगस्त को नई दिल्ली के इंदिरा भवन में शुरू हुआ था। इसमें सामाजिक संगठनों, कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों, अकादमिक जगत, कलाकारों, समुदाय प्रतिनिधियों और नागरिक समाज से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। पहले दिन अर्थव्यवस्था, रोजगार, गरीबी और असमानता, पर्यावरण, विकास, विस्थापन, प्रदूषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय, अधिकार, संस्कृति और शोध जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद थे।

लाल किला धमाका अलकायदा ने कराया

यूएन की रिपोर्ट में दावा, NIA की जांच में भी यही निकला था; 11 मौतें हुई थीं

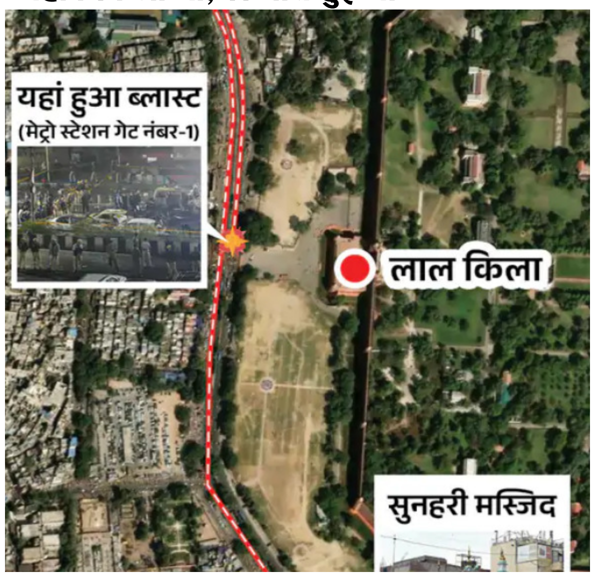

नई दिल्ली। लाल किले के पास हुए धमाके में अलकायदा से जुड़े संगठन का हाथ था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 38वीं रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास हुए इस धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने इस धमाके को अंजाम दिया। इसमें कहा गया है कि AQIS अब छोटे-छोटे सेल के जरिए काम कर रहा है और उसने अपना लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल नेटवर्क भी तैयार कर लिया है। इससे पहले आई NSC की 37वीं रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का हाथ बताया था। यानी इस हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की लगातार दो रिपोर्टों में दो अलग-अलग आतंकी संगठनों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, NIA की चार्जशीट में दावा किया गया था कि आरोपी AQIS से जुड़े थे। UNSC की एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम की यह रिपोर्ट 10 अगस्त को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि AQIS अब बिखरे हुए छोटे आतंकी संगठन की बजाय एक क्षेत्रीय आतंकी नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है। संगठन ने अपना लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल नेटवर्क तैयार कर लिया है और अब बड़े समूहों के बजाय छोटे-छोटे, अलग-अलग सेल के जरिए काम कर रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि AQIS बांग्लादेश में भी अपने आतंकी सेल बनाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट लंबे समय से ऐसे जहरीले रासायनिक और जैविक हथियार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सके। हालांकि, अब तक वे इसमें पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं, क्योंकि ऐसे हथियार बनाना बेहद मुश्किल काम है।

प्रियंका गांधी के गोमूत्र-एक्सपर्ट वाले बयान के खिलाफ ऑनलाइन मुहिम

आईआईटी मद्रास डायरेक्टर के समर्थन में 38 देशों के साइंटिस्ट समेत 14 हजार लोग साथ आए

नई दिल्ली। आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटी को 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बताने वाले प्रियंका गांधी के बयान पर विवाद बढ़ गया है। उनके खिलाफ एक ऑनलाइन मुहिम शुरू की गई है। इसे 13 अगस्त सुबह 9 बजे तक 14 हजार लोगों का समर्थन मिल चुका है। यह मुहिम Change.org पर शुरू गई गई है। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मामले का संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही, प्रियंका से कमेंट वापस लेने और माफी की मांग की गई है। 38 से ज्यादा देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इसका समर्थन किया है। दरअसल, एंटी पेपर लीक बिल पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रियंका ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी का नाम लिए बिना कहा था, सरकार की बनाई नई कमेटी में एक्स-IB चीफ, IT कंपनी के मालिक और गोमूत्र के विशेषज्ञ हैं। गोमूत्र विशेषज्ञ को शिक्षा के बारे में क्या पता होगा।

मुहिम शुरू करने वालों ने कहा- ऐसी भाषा से छवि को नुकसान होता है

मुहिम शुरू करने वालों ने इस कमेंट को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताया है। उनका कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, व्यक्तिगत टिप्पणी के जरिए नहीं। आयोजकों का कहना है कि इस तरह की भाषा से एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की छवि को नुकसान पहुंचता है। आयोजकों ने कहा कि यह अभियान किसी राजनीतिक दल, सरकार या विचारधारा के समर्थन या विरोध में नहीं है। इसका उद्देश्य संसद और सार्वजनिक जीवन में सम्मानजनक भाषा और तथ्यों पर आधारित बहस को बढ़ावा देना है। आयोजकों ने प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, शैक्षणिक प्रशासकों, पूर्व छात्रों, छात्रों और दुनियाभर के अकादमिक समुदाय से इस अभियान के समर्थन की अपील की गई है। 2025 में कामकोटि का वीडियो आया था 2025 में प्रो. कामकोटि का एक वीडियो सामने आया था। इसमें वे दावा करते नजर आ रहे थे कि गाय की यूरिन यानी गोमूत्र में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण होता है। ये कई बीमारियों को ठीक कर सकता है। इन बीमारियों में **IBS** या इरिटेबल बाउल सिंड्रोम भी शामिल है।

काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार

उत्तराखंड के देहरादून-टिहरी में लैंडस्लाइड; 15 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट

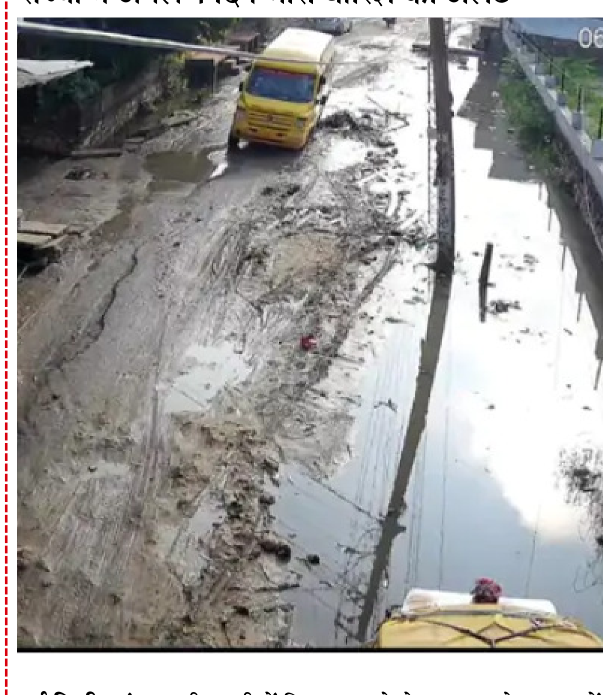

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने से बुधवार को 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के बनारस में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव मे सड़क पर नाव चलानी पड़ी। राजस्थान के 5 से ज्यादा जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। जयपुर में 4 घंटे से ज्यादा पानी बरसा। पानी से भरे गड्ढे के कारण बस पलट गई। बारिश और पेड़ गिरने से शहर के ज्यादातर हिस्सों में ट्रैफिक जाम रहा। उधर, उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर लैंडस्लाइड के चलते मलबा सड़क पर आ गिरा। इससे दोनों ओर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। राज्य के 9 जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में लगातार चार दिनों से तेज बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से 204 सड़कें बंद हैं।

भारी बारिश में दिल्ली की सड़कें डूबीं

दिल्ली में भारी बारिश के बीच कई इलाकों में जलभराव हो गया। मोटी बाग मेट्रो स्टेशन के पास की सड़कें भी पानी में डूब गईं, जिससे यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जगह-जगह लंबा जाम भी लग गया। राजस्थान की गंगापुर सिटी में गुरुवार को विजय पैलेस रोड पर स्टूडेंट्स से भरी निजी स्कूल बस सड़क पर बने गहरे गड्ढे में फंस गई। बस का पहिया गड्ढे में फंसने के बाद वह अचानक एक ओर झुक गई और पलटने की स्थिति में पहुंच गई थी। हालांकि, समय रहते सभी स्टूडेंट्स को बस से उतार लिया गया था।

हिमाचल प्रदेश में 200 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में गुरुवार, 13 अगस्त को मौसम ज्यादातर सूखा रहा। कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को 10 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। स्टेट इमर्जेंसी सेंटर के मुताबिक, हिमाचल में 200 सड़कें बंद हैं। मंडी में सबसे ज्यादा 64 सड़कें, कुल्लू में 60, शिमला में 32, चंबा में 24, सिरमौर में 6, कांगड़ा में 5, ऊना में 4, लाहौल-स्पीति में 3 और किन्नौर में 2 सड़कों पर ट्रैफिक पूरी तरह से बंद है।

एअर इंडिया पायलट्स का अब रोज ड्रग टेस्ट होगा

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसे के बाद फैसला; पायलट नशे में था, दो रिपोर्ट में पुष्टि

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के एक पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद यह फैसला लिया गया। दरअसल, इस फ्लाइट के भुवनेश्वर से गुजरते समय अचानक टर्बुलेंस जैसे हालात बने और यह करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। जिससे यात्रियों और क्रू मेंबर्स को चोटें आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना के बाद पायलट (कैप्टन) के दो ड्रग्स टेस्ट हुए थे। दोनों टेस्ट पॉजिटिव थे। दूसरे में गांजा पीने की पुष्टि हुई थी। फ्लाइट के पैसेंजर ने आरोप लगाया था कि पायलट नशे में था।

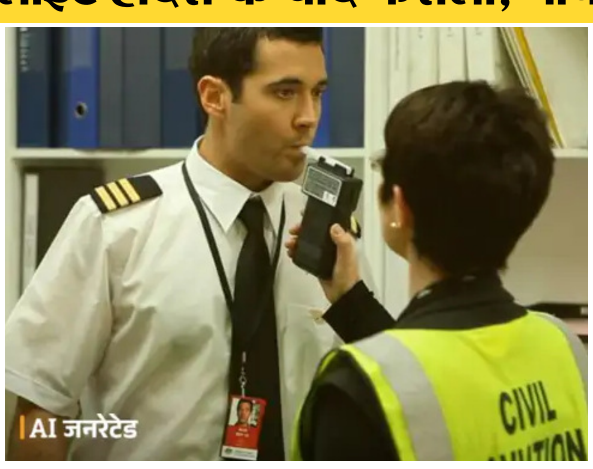

एयरलाइंस ने कहा- भरोसा जीतने के लिए कदम

दोनों एयरलाइंस ने पायलटों से कहा है कि मौजूदा नियमों के तहत प्रतिबंधित सभी नशीले पदार्थों और दवाओं की जांच की जाएगी। पायलटों का टेस्ट गुरुग्राम की अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान होगा। इसके अलावा फ्लाइट के बाद ब्रीफिंग सेंटर, एयरलाइंस के ऑफिस और संबंधित बेस पर भी टेस्ट किए जाएंगे एयरलाइंस ने कहा कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और उनका भरोसा बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

पायलट उड़ान से 12 घंटे पहले तक किसी भी तरह का नशा नहीं कर सकता

पायलट्स के लिए अल्कोहल को लेकर डीजीसीए के नियम बेहद सख्त हैं। एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के नियम 24 के तहत, किसी भी पायलट या क्रू मेंबर को उड़ान से 12 घंटे पहले तक किसी भी तरह के मादक पदार्थ या अल्कोहल का सेवन करने की मनाही है। उड़ान के दौरान भी इसका सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

एविएशन सेक्टर में पायलटों के लिए अनिवार्य मेडिकल टेस्ट

क्लास 2 मेडिकल: यह स्टूडेंट पायलट लाइसेंस के लिए जरूरी है और फ्लाइट ट्रेनिंग शुरू करने से पहले अनिवार्य है।क्लास 1 मेडिकल- यह कमर्शियल पायलट लाइसेंस और एयरलाइन पायलटों के लिए जरूरी है। इसमें शारीरिक, मानसिक, विजन, हियरिंग और हार्ट से जुड़ी जांच की जाती है।

ब्रीथ-एनालाइजर टेस्ट: फ्लाइट से पहले और लैंडिंग के बाद पायलटों का ब्रीथ-एनालाइजर टेस्ट किया जाता है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि पायलट के शरीर में अल्कोहल (शराब) का लेवल जीरो हो, क्योंकि एविएशन सेक्टर में इसे लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है।

साइकोएक्टिव सब्सटेंस (ड्रग) टेस्ट: पायलटों के लिए नशीले पदार्थों या साइकोएक्टिव सब्सटेंस की जांच भी अनिवार्य है। इसके तहत रैंडम ड्रग टेस्टिंग की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पायलट किसी भी प्रतिबंधित दवा या नशीले पदार्थ के प्रभाव में नहीं हैं।

ड्रग टेस्ट पॉजिटिव होने पर पायलट के खिलाफ कार्रवाई

टेस्ट और एक्शन: नमूने को दो हिस्सों में बांटा जाता है। स्क्रीनिंग टेस्ट 'नॉन-नेगेटिव' आने पर पायलट को तुरंत ड्यूटी से हटा दिया जाता है और दूसरे नमूने की पुष्टि के लिए लैब में जांच होती है **पहली बार पॉजिटिव:** कन्फर्मेटरी टेस्ट में पहली बार पॉजिटिव आने पर पायलट को रिहैब भेजा जाता है। दोबारा टेस्ट नेगेटिव और मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने तक वह उड़ान नहीं भर सकता।

बार-बार उल्लंघन- दूसरी बार पॉजिटिव पाए जाने पर लाइसेंस 3 साल तक निलंबित किया जा सकता है। तीसरी बार पॉजिटिव होने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

केन-बेतवा प्रभावितों से मिले राहुल, बोले- संसद में उठाऊंगा मामला

एमपी के किसानों से 50 मिनट बातचीत; कहा- सरकार संवाद करे, दमन नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित पन्ना और छतरपुर के किसानों-आदिवासियों का आंदोलन अब दिल्ली पहुंच गया है। गुरुवार को 20 प्रभावित किसानों ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से करीब 50 मिनट तक मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि वे इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे और प्रभावित परिवारों के न्यायपूर्ण मुआवजे तथा सम्मानजनक पुनर्वास की मांग करेंगे। मुलाकात में छतरपुर के 11 और पन्ना के 9 किसान प्रतिनिधिमंडल के रूप में शामिल हुए। किसानों ने केन-बेतवा परियोजना के साथ पन्ना की मझगवां बांध और रुंझ परियोजना में विस्थापन और भ्रष्टाचार के आरोप भी राहुल गांधी के सामने रखे। **बोले- कांग्रेस आदिवासी सत्याग्रहियों के साथ:** राहुल गांधी ने किसानों से कहा कि हमें आंदोलन की जानकारी मिल रही थी और हम इस बात से चिंतित थे कि आदिवासियों, बुजुर्गों और महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। इतनी ज्यादा गड़बड़ी होने का मुझे अंदाजा नहीं था। मैं और कांग्रेस पार्टी प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

बोले- सरकार संवाद करे, दमन नहीं: राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केन-बेतवा परियोजना के कारण छतरपुर और पन्ना के आदिवासी समाज का जल, जंगल और जमीन प्रभावित हो रहे हैं।

हरियाणा-जीटी रोड जाम, उग्र भीड पर आंसू गैस के गोले:बच्चे स्कूल में फंसे, कई वाहन टूटे; खालिस्तान विरोधी सिख नेता पर भड़की सिख जत्थेबंदियां

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में पुलिस और सिख संगत के बीच गुरुवार दोपहर में हुए टकराव के बाद हालात बिगड़ गए। दोपहर करीब 1 बजे भीड़ जीटी रोड जाम करने बढ़ने लगी। पुलिस की बेरिकेडिंग को भी तोड़ दिया। जिसके बाद आंसू गैस के गोले दागे गए। इसके बावजूद लोग नहीं रूके और अंबाला सिटी में जग्गी सिटी सेंटर के बाहर ट्रैक-ट्रॉलियां खड़ी करके जाम कर दिया। अंबाला रेंज के आईजी पंकज नैन और एसपी अजीत शेखावत प्रदर्शनकारियों को समझाने पहुंचे। शाम 6 बजे तक भी रोड खुलवाया नहीं जा सका। भीड़ की दो मांगें हैं। पहली, इंटरनेशनल एंटी खालिस्तान टेरेरिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष गुरसिमरन सिंह मंड पर एफआईआर दर्ज की जाए। दूसरी, मंड पर हमले के आरोप में गिरफ्तार दो लोगों की रिहाई हो। दरअसल, 7 अगस्त को मंड जेड+ सिक्योरिटी के साथ श्री पंजोखरा साहिब गुरुद्वारे पहुंचे थे। उसी दौराम विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि मंड की गाड़ी ने संगत को टक्कर मार दी। इसके बाद गुस्साई भीड़ व निहंगों ने मंड को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और इनोवा गाड़ी तोड़ दी थी। सिख जत्थेबंदियों का आरोप है कि मंड की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज कर दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि मंड के खिलाफ दी गई शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी कार्रवाई की मांग को लेकर गुरुवार को गुरुद्वारा साहिब में बैठक बुलाई गई थी।

क्या है पूरा मामला और क्यों भडकी है भीड

7 अगस्त को मंड को दौडाकर पीटा था: इंटरनेशनल एंटी खालिस्तान टेरेरिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष गुरसिमरन सिंह मंड पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं। 7 अगस्त को मंड अपनी जेड+ सिक्योरिटी के साथ गुरुद्वारा पंजोखरा साहिब में पहुंचे थे। इसी दौरान विवाद हुआ। जिसके बाद निहंगों ने भीड़ के साथ मंड को सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा था। इनोवा गाड़ी को तोड़ दिया था। उन्हें पीटने पीछे-पीछे कुछ निहंग भी घोड़े पर सवार होकर पहुंच गए थे। पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव कर मंड को बचाया था।

पुलिस कार्रवाई के खिलाफ सिख संगत की बैठक हुई: इस मामले में मंड की ओर से पुलिस को शिकायत दी गई थी, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर गांव कलरहेड़ी के दो युवकों को हिरासत में ले लिया था। इसके विरोध में गुरुवार को गुरुद्वारा श्री पंजोखरा साहिब में सिख संगत की बैठक हुई। **बैठक में सांसद अमृतपाल के पिता भी पहुंचे :** बैठक में पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह और माता बलविंदर कौर भी पहुंचे। ।।स्त्रस्ष्ट अध्यक्ष जगदीश सिंह झींडा, उपाध्यक्ष गुरबीर सिंह तलाकौर, बलविंदर सिंह भिंडर, रुपिंदर सिंह, रुपिंदर सिंह लाडी, सुखदेव सिंह, गुरतेज सिंह, गुरजीत सिंह धमोली, हरिंदर सिंह राछेड़ी, निर्मल सिंह जौला और बलकार सिंह मर्दों साहिब मौजूद रहे। **बैठक के बाद भडकी भीड, हाईवे जाम किया:** बैठक के बाद प्रदर्शनकारियों ने हाईवे का रुख किया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पंजोखरा से अंबाला जाने वाले रास्ते पर जगह-जगह भारी बेरिकेडिंग की हुई थी, लेकिन भीड़ ने बेरिकेड्स को तोड़ दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।